नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

2 शिक्षा-रोजगार मुद्दे पर एकजुट हों युवा : राहुल

4 अकाल तख्त के निशाने पर भगवंत मान

9 भारत-यूके सीटीए 15 जुलाई से लागू

10 रॉबर्टा मोरेटी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

समझौते पर किये हस्ताक्षर

अमेरिकी राष्ट्रपति और ईरान के राष्ट्रपति ने ऑनलाइन दी स्वीकृति

पेरिस 18 जून. अमेरिका और ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर दिया. इस समझौते पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के दौरान पेरिस के वर्सेल्स पैलेस में दस्तखत किये, जबकि ईरान के राष्ट्रपति पजशकियान ने तेहरान में हस्ताक्षर किये. दोनों नेताओं के हस्ताक्षर के बाद भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह पांच बजे से यह समझौता प्रभावी हो गया.

फ्रांस के राष्ट्रति इमैनुएल मक्रों ने सोशल मीडिया पर राष्ट्रपति ट्रम्प के इस समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए वीडियो पोस्ट करते हुए बुधवार को लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप ने आज रात वर्सेल्स में ईरान और अमेरिका के बीच समझौते पर हस्ताक्षर कर दिये. यह समझौता हमेशा रहने वाली शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की इजाजत देता है. यह हमारे देशवासियों के लिए सही दिशा में एक जरूरी कदम है जिससे जल्द ही एनर्जी की कीमतों में कमी आएगी.

ईरान-अमेरिका और इजराइल के बीच जारी तनावपूर्ण युद्ध ने पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है. ऊर्जा ढांचे पर हमलों, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन बाधित होने से कई देशों की अर्थव्यवस्था दबाव में आ गई है.

समझौता के प्रमुख बिंदु....

- रिपोर्ट के अनुसार 14 सूत्रीय समझौते में कहा गया है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होंगे.
- साथ ही इसमें ईरान के पुनर्निर्माण और आर्थिक विकास के लिए 300 अरब डॉलर के कोष का प्रावधान किया गया है।हालांकि अमेरिका के लिए इसमें योगदान देना अनिवार्य नहीं है.
- यह समझौता अमेरिका-ईरान और इज़रायल के बीच टकराव शुरू होने के चार महीने बाद हुआ है.
- ट्रंप प्रशासन ने इस समझौते को प्रदर्शन-आधारित बताया है, जिसका मतलब है कि ईरान को तभी फायदा होगा जब वह अपने वादों का पालन करेगा.

ट्रंप की एच-1बी वीजा और यूक्रेन युद्ध पर टिप्पणी

- ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका को भारतीय टैलेंट की जरूरत है और आने वाले समय में एच-1बी वीजा के तहत अधिक भारतीयों को अवसर देने की कोशिश की जाएगी.
- रूस से तेल खरीद को लेकर ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि किसी भी देश, खासकर भारत पर किसी तरह का दबाव नहीं है और सभी देशों को अपनी जरूरत के अनुसार ऊर्जा खरीदने की स्वतंत्रता है.
- उन्होंने बताया रूसी तेल खरीद की मोहलत समाप्त हो चुकी है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार पर असर पड़ने की संभावना है.
- यूक्रेन युद्ध पर ट्रम्प ने दावा किया कि वे इस संघर्ष को समाप्त करने की कोशिश करेंगे.

युद्ध में अमेरिका का कितना हुआ नुकसान

- अमेरिका का सैन्य खर्च मई 2026 तक लगभग 29 अरब डॉलर तक पहुंच गया.
- अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लगभग 210 अरब डॉलर का अप्रत्यक्ष नुकसान.
- एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट को युद्ध में क्षति पहुंची, साथ ही एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल, रिफ्यूलिंग टैंकर, एमक्यू -9 रीपर और एमक्यू-4सी ट्राइटन ड्रोन और विमान भी प्रभावित हुए.

ईरान-अमेरिका जंग से नुकसान

- 40 दिनों में देश को लगभग 270 अरब डॉलर (करीब 25 लाख करोड़) का नुकसान हुआ.
- करीब 1,22,000 इमारतें इस संघर्ष में नष्ट या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुई हैं.
- 307 अस्पताल क्षतिग्रस्त होने और दवा कीमतों में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है.
- इजराइल पर 650 मिसाइलें दागीं जिससे हजारों इमारतों को नुकसान हुआ है.

एक नजर में

एनएसए डोभाल के न्योते पर भारत आएंगे वांग यी

नई दिल्ली, 18 जून. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर चीन के विदेश मंत्री वांग यी 22 से 23 जून तक भारत का दौरा करेंगे. यह दौरा ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और उच्च प्रतिनिधियों की 16वीं बैठक में भाग लेने के लिए हो रहा है. चीनी विदेश मंत्रालय ने इस कार्यक्रम की आधिकारिक जानकारी जारी की है. इस यात्रा के दौरान वांग यी भारत में आयोजित होने वाली ब्रिक्स बैठक में हिस्सा लेंगे, जिसमें सदस्य देशों के सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. इससे पहले भी वांग यी ने भारत का दौरा किया था, जब उन्होंने विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक के दौरान एनएसए अजीत डोभाल के साथ सीमा मुद्दों पर बातचीत की थी.

ईपीएफ को 8.25% की दर से ब्याज प्रस्ताव मंजूर

नयी दिल्ली, 18 जून. कर्मचारी भाविष्य निधि योजना (ईपीएफओ) के अंशधारकों को उनके ईपीएफ खाते में 2025-26 के दौरान जमा राशि पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज के भुगतान को सरकार ने मंजूरी दी है. यह जानकारी गुरुवार को यहां सूत्रों ने दी और कहा कि ईपीएफ की जमाओं पर ब्याज की राशि इस माह खातों में हस्तांतरित की जा सकती है. गौरतलब है कि गत 2 मार्च को केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ईपीएफ पर ब्याज 8.25 प्रतिशत रखे जाने का निर्णय लिया गया था और इसे अनुमोदन के लिए वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया था. सूत्रों ने कहा कि सीबीटी के निर्णय को अनुमादित कर दिया गया है. यह लगातार तीसरा वर्ष है जब इस ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत के इसी स्तर पर बरकरार रखा गया है। वर्ष 2022-23 में ईपीएफ पर ब्याज 8.15 प्रतिशत थी.

मैसी अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाकर, वर्ल्ड कप्स में सर्वाधिक गोल करने वाले संयुक्त स्कोरर बने!

यूएई 15 साल से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करेगा

अबू धाबी, 18 जून. संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने संबंधी नया प्रस्ताव मंजूर किया है, हालांकि 15-16 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों को कुछ प्रतिबंधों और सुरक्षा उपायों के साथ सोशल मीडिया के उपयोग की अनुमति होगी.

खलीज रिपोर्ट के अनुसार, 18 जून को स्वीकृत प्रस्ताव के तहत 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे न तो सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत खाता बना सकेंगे और न ही उसका उपयोग कर सकेंगे. सरकारी मीडिया कार्यालय के अनुसार वे सामग्री पोस्ट करने, टिप्पणी करने, साझा करने अथवा सार्वजनिक समूहों से जुड़ने जैसी सुविधाओं का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे.

अभिभावकों की सहमति भी इस प्रतिबंध से छूट का आधार नहीं होगी. प्रस्ताव के अनुसार 15 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक नियंत्रित पहुंच दी जाएगी.इसके लिए उनके खातों पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू किये जाएंगे।

उद्धव की मीटिंग में सिर्फ 3 सांसद पहुंचे

मुंबई, 18 जून. महाराष्ट्र के प्रमुख सियासी दल और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के भीतर एक और विभाजन की गुरुवार को उस समय प्रभावी रूप से पुष्टि हो गई, जब पार्टी के नौ लोकसभा सांसदों में से छह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र सौंपकर अपने समूह का महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय करने की मांग की.

इन छह बागी सांसदों में संजय दीना पाटिल (मुंबई उत्तर पूर्व), संजय देशमुख (यवतमाल-वाशिम), नागेश पाटिल आष्टीकर (हिंगोली), संजय जाधव (परभणी), भाऊसाहेब वाकचौरे (शिरडी-अजा) और ओमप्रकाश उर्फ ओम राजे निंबालकर (उस्मानाबाद) शामिल हैं. इस गुट के बगावत के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) में श्री उद्धव ठाकरे के प्रति वफादार रहने वाले तीन सांसद अरविंद सावंत (मुंबई दक्षिण), अनिल देसाई (मुंबई दक्षिण मध्य) और राजाभाऊ वाजे (नासिक) ही बचे हैं. इस राजनीतिक संकट के बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेतृत्व ने पार्टी के संसदीय विंग पर नियंत्रण का दावा करने के बागियों के प्रयास का मुकाबला करने के लिए तेजी से कदम बढ़ाया. शिवसेना (यूबीटी) के मुख्य सचेतक ने संसदीय दल की बैठक बुलाई है. शिवसेना के राज्यसभा सदस्य और संसदीय दल के नेता संजय राउत ने श्री सावंत और श्री देसाई के साथ बुधवार को बिरला से मुलाकात की थी. अरविंद सावंत ने ओम बिरला को लिखे एक पत्र में अध्यक्ष से आग्रह किया कि वे पार्टी की आधिकारिक स्थिति सुने बिना किसी भी अलग हुए गुट को मान्यता न दें. उन्होंने लिखा : शिवसेना (यूबीटी) सदन में अपने विधिवत अधिकृत नेता और सचेतक के माध्यम से प्रतिनिधित्व करने वाले एक एकल राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्राप्त करना जारी रखे हुए है.

शिवसेना (यूबीटी) में टूट की पुष्टि

भारत के मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन मॉडल आकर्षक

नई दिल्ली, 18 जून. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कई शीर्ष कंपनियों के सीईओ और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें देश में तेजी से बढ़ते मैन्युफैक्करिंग और इनोवेशन इकोसिस्टम के बारे में जानकारी दी.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने मिस्ट्रल एआई के को-फाउंडर और सीईओ आर्थर मेन्श से मुलाकात की. प्रधानमंत्री ने भारत के बढ़ते एआई इकोसिस्टम में मौजूद मौकों के बारे में बताया। वहीं, मेन्श ने इनोवेशन को बढ़ावा देने और एआई क्षमताओं का विस्तार करने के लिए भारत के साथ सहयोग करने और भारतीय कंपनियों के साथ पार्टनरशिप करने में मिस्ट्रल एआई की गहरी दिलचस्पी जाहिर की. आगे प्रधानमंत्री मोदी ने एल्स्टॉम के सीईओ मार्टिन सियन से भी मुलाकात की और बातचीत मोबिलिटी और रेलवे के आधुनिकीकरण के मौकों पर केंद्रित रही. जयसवाल के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में एल्स्टॉम के बड़े निवेश और मैन्युफैक्करिंग मौजूदगी का जिक्र किया, जो नौकरियां पैदा करने और भारत के रेल सेक्टर के विकास में योगदान दे रहे हैं. सियन ने भारत में और विस्तार और निवेश के लिए एल्स्टॉम की योजनाओं के बारे में जानकारी दी. प्रधानमंत्री ने सेंट-गोबेन के चेयरमैन और सीईओ बेनोइट बाजिन से मुलाकात की और बातचीत सामग्री और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में मौकों पर केंद्रित रही, जिसमें स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया गया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत में सेंट-गोबेन की मजबूत मौजूदगी और निवेश का जिक्र किया, जिससे भारतीय युवाओं के लिए मौके बन रहे हैं. चेयरमैन और सीईओ बाजिन ने भारत में और निवेश और विस्तार के लिए सेंट-गोबेन की योजनाओं के बारे में बताया.

गुस्ताखी माफ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का सीएम मोहन यादव ने किया स्वागत

इंदौर, 18 जून. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का मध्यप्रदेश आगमन हम सबके लिए गर्व का विषय है. प्रदेश की आर्थिक राजधानी और लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की नगरी इंदौर में राष्ट्रपति मुर्मु का आत्मीय स्वागत और अभिनंदन है.

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग से उलटफेर

- एनडीए समर्थित नाथवानी की राज्यसभा में जीत
- रणनीतिक समर्थन के कारण एनडीए को मिली जीत

नई दिल्ली, 18 जून. राज्यसभा चुनावों में झारखंड में क्रॉस वोटिंग का बड़ा असर देखने को मिला, जहां कांग्रेस उम्मीदवार की हार हो गई और भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार तथा उद्योगपति परिमल नाथवानी ने जीत दर्ज की. झारखंड की दो सीटों में से एक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के बैद्यनाथ राम ने भी जीत हासिल की. वहीं दूसरी सीट पर मुकाबला कांग्रेस और एनडीए समर्थित उम्मीदवार के बीच था, जिसमें क्रॉस वोटिंग निर्णायक साबित हुई. झारखंड विधानसभा के सभी 81 विधायकों ने मतदान किया. नाथवानी को 28 वोट मिले जबकि कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को 20 वोट प्राप्त हुए.जेएमएम के बैद्यनाथ राम को 30 वोट मिले.

मतदान के दौरान तीन वोट अमान्य घोषित किए गए, जिनमें बीजीपी के दो और कांग्रेस का एक वोट शामिल था राजनीतिक समीकरण के अनुसार, बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए के पास विधानसभा में 24 विधायक हैं, जबकि बहुमत के लिए 28 वोटों की जरूरत होती है. इसके बावजूद क्रॉस वोटिंग और रणनीतिक समर्थन के कारण एनडीए समर्थित उम्मीदवार को जीत मिली.

नीट छात्र ने बहुमंजिला इमारत की गैलरी से लगाई छलांग, मौत

अहमदाबाद, 18 जून. अहमदाबाद, के न्यू रानीप इलाके में 18 वर्षीय नीट अभ्यर्थी कहान पटेल की मौत हो गई. पुलिस के अनुसार, छात्र ने 18 जून की तड़के अपने फ्लैट की बहुमंजिला इमारत की गैलरी से छलांग लगाई, जिसके बाद उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. जानकारी के मुताबिक, छात्र 21 जून को होने वाली नीट) पुनः परीक्षा की तैयारी कर रहा था और परीक्षा से तीन दिन पहले यह घटना हुई. परिवार ने बताया कि छात्र पढ़ाई को लेकर दबाव में था.

परिसीमन की बिसात | बंगाल के बाद महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश में भी बगावत की सुगबुगाहट तेज

क्षत्रपों का कुनबा बचाने की जद्दोजहद

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली,18 जून. देश की राजनीति में इन दिनों एक अभूतपूर्व हलचल देखी जा रही है, दिल्ली से लेकर विभिन्न राज्यों में मौजूद क्षेत्रीय क्षत्रपों द्वारा अपने कुनबे को बचाने की जद्दोजहद राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी राजनीतिक उठा-पटक की ओर इशारा कर रही है. ऐसे में देश के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि क्या एक साथ कई राज्यों में विपक्षी किलों का इस तरह दरकना केवल संयोग है? या किसी सुविचारित राजनीतिक चक्रव्यूह का हिस्सा है?

राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि जिस तरह से टीएमसी में मचे घमासान और उसके सांसदों के एक बड़े धड़े द्वारा अलग संसदीय समूह बनाने की घोषणा के तुरंत बाद, महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट में भी बगावत की तेज सुगबुगाहट सामने आई है. इतना ही नहीं इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश की सियासत में सत्तारूढ़ गठबंधन के सहयोगियों द्वारा सपा के भीतर टूट के दावे किए जा रहे हैं उसको किसी सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम के रूप में नहीं देखा जा सकता है.

ऐसे में ज्यादातर राजनीतिक जानकार यह कह रहे हैं कि पर्दे के पीछे एक सुनियोजित योजना के तहत भाजपाई रणनीतिकारों द्वारा इसे हवा दी जा रही है. चर्चा है कि दीर्घकालिक रणनीति के तहत सरकार अपनी ताकत बढ़ाने की तैयारी कर रही है. हालांकि वर्तमान परिदृश्य में, लोकसभा में भाजपा नेतृत्व वाली राजग के पास बहुमत तो है, लेकिन संविधान संशोधनों जैसे बड़े फैसलों के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत का आंकड़ा दूर है. ऐसे में विपक्षी सांसदों की यह बगावत और उनका झुकाव परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से सत्ता पक्ष की ओर होना, निश्चित रूप से संसद में सरकार की संख्या बल को ऐसी ताकत दे सकता है, जो साधारण विधायी प्रक्रियाओं से परे हो. राजनीतिक जानकारों की मानें तो इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण और रणनीतिक सिरा परिसीमन विधेयक से जुड़ता दिखाई दे रहा है. क्योंकि अप्रैल 2026 में संसद में लाया गया परिसीमन विधेयक विशेष बहुमत के अभाव में अटक गया था. सूत्र बता रहे हैं कि मानसून सत्र या शीतकालीन सत्र में सरकार इस विधेयक को दोबारा लाकर आगामी लोकसभा चुनावों से पहले देश की राजनीतिक सीमाओं को पुनर्गठित करना चाहती है.

आईसीएआई ने सीए में नूर सिंगला ने किया टॉप

नई दिल्ली, 18 जून. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ने सीए फाइनल 2026 परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है. इस परीक्षा में देशभर से शामिल हुए अभ्यर्थियों का इंतजार समाप्त हो गया, जिसके बाद आधिकारिक पोर्टल पर रिजल्ट जारी किया गया.उम्मीदवार अपने रजिस्ट्रेशन नंबर और रोल नंबर के माध्यम से स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं. इस बार पटियाला की नूर सिंगला ने ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल करते हुए टॉप किया है. उन्होंने कुल 499 अंक (83.17 प्रतिशत) प्राप्त किए। वहीं हावड़ा के रितिज सराफ ने 475 अंक (79.17 प्रतिशत) के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

रणथंभौर एक्सप्रेस के जनरल कोच से उठा धुआं

- ब्रेक जाम होने से पहियों में हुआ अत्यधिक घर्षण
- अन्य ट्रेनों का संचालन भी हुआ प्रभावित

नवभारत न्यूज

रतलाम, 18 जून. इंदौर से जोधपुर जा रही 12465 रणथंभौर एक्सप्रेस गुरुवार सुबह करीब 9.20 बजे रतलाम जिले के आलोट क्षेत्र स्थित लूनी रिछा स्टेशन के समीप तकनीकी खराबी का शिकार हो गई.

इंजन के पीछे लगे जनरल कोच के पहियों से अचानक धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. लोको पायलट और गार्ड ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए ट्रेन रोक दी, जिससे संभावित बढ़ा हादसा टल गया. धुआं निकलते ही कई यात्री सामान लेकर ट्रेन से नीचे उतर आए. कुछ देर तक मौके पर दहशत का माहौल रहा. सूचना मिलते ही रेलवे का तकनीकी अमला मौके पर पहुंचा और संबंधित कोच की जांच शुरू की।

बताया जा रहा है कि अचानक रेड सिंग्रल होने पर ब्रेक लगाने से जनरल कोच के पहियों का ब्रेक जाम हो गया था. लगातार घर्षण के कारण पहियों से धुआं निकलने लगा. रेलवे कर्मचारियों ने मौके पर ब्रेक रिलीज कर आवश्यक तकनीकी सुधार किए. सुरक्षा परीक्षण के बाद करीब 20 मिनट पश्चात ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया.